08/11/17 वकील वादी द्वारा एक प्रार्थना पत्र दावा विड्रो पेश किया और पत्रावली तलब की गई। वकील वादी/वादी द्वारा उप० होकर निवेदन किया कि पक्षकारान में आपस में राजीनामा हो चुका है। अब इस प्रकरण को आगे नहीं चलाना चाहते हैं। अतः दावा विड्रो प्रा० पत्र स्वीकार किया जाकर खारिज कर दिया जाये। वकील प्रतिवादी ने अनापत्ति जाहिर कर आदेशिका पर हस्ताक्षर किये। वकील वादी/वादी को सुना गया पत्रावली का अवलोकन किया गया। वादी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र दावा विड्रो स्वीकार किया जाकर दावा खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।

No objection
8/11/17